श्री सिद्धि विनायक
हार्ट केयर
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 267 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 11 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है
दैनिक गुरु एक्सप्रेस
कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।
वेतन योग्यता अनुसार
संपर्क
संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
9425105928. 8319964648

करीब 60 लाख से अधिक लागत से अफीम गोदाम रोड पर बनाया गया था छात्रावास भवन...

आठ वर्ष से गर्ल्स होस्टल बना शोपीस, अब जर्जरता की ओर

कैसे पढ़े कॉलेज में छात्राएं! कॉलेज प्रशासन की लगातार अनदेखी और अकर्मण्यता की परिभाषा उजागर

मंदसौर, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हायर सेकंडरी परीक्षा पास करने के बाद गरीब व ग्रामीण स्तर की छात्राओं को कॉलेज स्तर की पढ़ाई करवाने के उद्देश्य के मद्देनजर करीब आठ वर्ष पूर्व शहर के बीचोंबीच गर्ल्स होस्टल बनवाया गया था। दो वर्ष तक होस्टल बनकर तैयार हुआ। लेकिन, वर्ष 2017 के बाद से लाखों की लागत से बने होस्टल में एक भी एडमिशन नहीं हो पाया है। 50 सीटर होस्टल करीब आठ वर्ष से यूं ही बना हुआ दिखाई दे रहा है। होस्टल के रखरखाव और देखरेख क अभाव में दीवारें तड़क गई है। अंदर से कमरे भी जर्जर होने लगे हैं। एक तरह से इस होस्टल की बिल्डिंग जर्जरता की ओर बढ़ने लगी है। यूं भी कहा जा सकता है कि छात्रावास भवन बेहद खराब स्थिति में है। पीजी कॉलेज प्रशासन की लगातार अनदेखी का नतीजे ये यह स्थिति बनी है। कॉलेज प्रशासन की अकर्मण्यता की परिभाषा उजागर हो रही है। जबकि कॉलेज प्रशासन में जनभागीदारी समिति भी बनी हुई है, जिसे सक्रियता की संज्ञा दी गई है।

प्रदेश सरकार ने छात्राओं को कॉलेज में पढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की है। छात्रवृत्ति से लेकर अनेक खर्च भी सरकार द्वारा छात्राओं के लिए उठाया जा रहा है। बालिकाएं कॉलेज में पढ़ाई करें और प्रतिदिन आने-जाने में होने वाली दिक्कतों के चलते शासन ने मंदसौर शहर में ही बीचों बीच यानी अफीम गोदाम रोड पर बीएसएनएल कार्यालय की जमीन के समीप जगह चिन्हित की। 60 लाख से अधिक लागत से गर्ल्स होस्टल यहां तैयार किया गया। पीजी कॉलेज में छात्राओं के लिए पूर्व में होस्टल नहीं था, लेकिन जो बनाया गया है, उसकी दुर्दशा भी हो रही है। कॉलेज प्रशासन की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है, क्योंकि आठ वर्ष बीत गए हैं, यहां एक भी छात्रा को होस्टल में जगह नहीं मिल पाई है। इस परिस्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है, इस पर भी संशय बरकरार है। मजेदार बात यह भी है कि कॉलेज प्रशासन के नुमाइन्दे यह कह रहे हैं कि छात्राओं ने होस्टल में एडमिशन नहीं लिया है। जबकि पीजी कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं के परिजनों को किराए से कमरा दिलवाकर जेब खर्चा करना पड़ रहा है। शहर में अनेक स्थानों पर विद्यार्थी किराए से रहकर पढ़ाई करने पर मजबूर हैं।

अपने कार्यों पर पीठ थपथपाते जनभागीदारी समिति के किरदार!

कॉलेज में जनभागीदारी समिति इसलिए बनाई जाती है, कि अभिभावक, छात्र-छात्राएं को पढ़ाई संबंधी कोई परेशानी नहीं हो। जनभागीदारी समिति द्वारा अपने स्तर पर देखरेख की जाती है। जनभागीदारी समिति द्वारा प्राध्यापक व प्रशासकिय विभाग में भी सामंजस्य बिठाया जाता है। वर्तमान में जनभागीदारी समिति निर्माण कार्यों पर अपनी पीठ थपथपाती नजर आती है। कॉलेज को पीमश्री से अलंकृत होने पर बाहर सक्रियता का परिचय दिया जा रहा है। जबकि गर्ल्स होस्टल में एक भी छात्रा का एडमिशन कराने में जनभागीदारी समिति भी कारगर नहीं दिखाई दी है। अब अलंकृत समारोह कराने की तैयारी है।

होस्टल के ईर्द-गिर्द ऊग गए जंगली झाड़, सफाई के अभाव में लगता है जंगल

60 लाख से ज्यादा की लागत से बने गर्ल्स होस्टल के ईर्द गिर्द यह हालत हो गई है कि यहां जंगली झाड़ तक ऊग आए हैं। सफाई के अभाव में होस्टल के आसपास जंगल क्षेत्र जैसा लगने लगा है। बाहरी स्तर पर यह परिस्थिति है। अंदर होस्टल के कमरे व अन्य व्यवस्थाओं का तो भगवान ही मालिक है। कॉलेज प्रशासन ने होस्टल की देखरेख के लिए यहां एक कर्मचारी को जरूर ठहरा दिया है, ताकि चहल-पहल बनी रहे। इस कर्मचारी द्वारा ही होस्टल की देखरेख और सफाई करवाई जाती रही है। बता दें कि छात्र संगठनों का भी अफीम गोदाम रोड पर बने गर्ल्स होस्टल के संदर्भ में इतने वर्षों में ध्यान नहीं गया है।

नया शैक्षणिक सत्र, फिर भी नजरअंदाजी बरकरार

वर्तमान में नया शैक्षणिक सत्र चालू हो गया है। दूरस्थ क्षेत्रों से कॉलेज में पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में छात्राओं ने एडमिशन लिया है। इसके बाद भी कॉलेज प्रशासन की नजरअंदाजी बरकरार है। जून महीने के अंत में कॉलेज प्राचार्य एलएन शर्मा रिटायर हो गए हैं। इनकी सेवानिवृत्ति के बाद शासन ने डॉ. बीआर नलवाया को प्राचार्य का जिम्मा सौंपा है। अब वे इस दिशा में प्रयासरत हैं कि होस्टल में एडमिशन हो सके। लेकिन, इसके लिए जर्जर हो चुके होस्टल को ठीक ठाक कराने के लिए खर्चा करना पड़ेगा और इसमें भी समय लगेगा। पूर्व से ही यह प्रक्रिया अपनाई जाती तो नए शैक्षणिक सत्र में होस्टल में एडमिशन की गतिविधि हो सकती थी।

लम्बे प्रयासों के बाद तत्कालीन प्राचार्य डॉ. खिमेसरा ने बनवाया था होस्टल

जब गर्ल्स होस्टल का निर्माण चालू किया गया था, तब इसके बनवाने के लिए तत्कालीन प्राचार्य डॉ. जीसी खिमेसरा ने भरसक प्रयास किए थे। उनका मकसद भी था कि ग्रामीण छात्राओं और उनके परिजनों को कॉलेज की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया जा सके। भवन निर्माण के दौरान उस समय निगरानी होती रहती थी। डॉ. खिमेसरा की सेवानिवृत्ति के बाद से इस गर्ल्स होस्टल पर कॉलेज प्रशासन के जिम्मेदारों की लगातार अनदेखी बरकरार रही।

इनका कहना...

मुझे प्राचार्य पद की जिम्मेदारी एक तारीख से मिली है। होस्टल के संबंध में दिखवाता हूं।

डॉ. बीआर नलवाया
प्राचार्य पीजी कॉलेज, मंदसौर

अफीम गोदाम रोड पर बने होस्टल में छात्राएं एडमिशन नहीं ले रही थी। कन्या महाविद्यालय के गर्ल्स होस्टल में एडमिशन लिया गया है। मैं जून महीने में रिटायर हो चुका हूं।

डॉ. एलएन शर्मा
पूर्व प्राचार्य, पीजी कॉलेज, मंदसौर

देश की सर्वाधिक दुर्गम श्रीखण्ड महादेव यात्रा के लिए 4 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

यात्रा दल रवाना, जिसमें पत्रकार तुषार कोठारी एवं आशुतोष नवाल, वकील दशरथ पाटीदार, प्रकाश राव पंवार शामिल

रतलाम, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। देश की सर्वाधिक दुर्गम धार्मिक यात्रा श्रीखण्ड महादेव यात्रा के लिए देश भर से चार हजार से अधिक श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करवा चुके है। 14 जुलाई से प्रारंभ होने वाली यात्रा के लिए प्रशासन ने सारी तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए इस बार एसडीआरएफ को भी तैनात किया जा रहा है। श्रीखण्ड महादेव यात्रा के लिए रतलाम के भारत भक्ति संस्थान का चार सदस्यीय दल बुधवार को रतलाम से रवाना हुआ। यात्रा दल में रतलाम से पत्रकार तुषार कोठारी, एडवोकेट दशरथ पाटीदार, प्रकाश राव पंवार और मन्दसौर के पत्रकार आशुतोष नवाल शामिल हैं। यात्रा दल सड़क मार्ग से निरमण्ड अनुभाग के जाव गांव तक पहुंचेगा, जहां से श्रीखण्ड महादेव की पैदल यात्रा प्रारंभ होती है। यात्रा के पहले दिन ही रतलाम का दल भी यात्रा प्रारंभ करेगा। श्रीखण्ड महादेव की दुर्गम यात्रा पर रवाना होने के पहले यात्रा दल के सदस्यों कोई-खबरटुडे कार्यालय पर सफल यात्रा की शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। मंदसौर से भी शुभचिन्तकों ने श्री नवाल को धार्मिक यात्रा की आत्मीय शुभकामनाएं दी।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमण्ड अनुभाग में पड़ने वाले पंच कैलास में से एक पवित्र श्रीखण्ड महादेव के लिए प्रतिवर्ष मात्र पन्द्रह दिनों के लिए यात्रा का आयोजन किया जाता है। यात्रा की तैयारियों में जुटे निरमण्ड एसडीएम मनमोहन सिंह ने बताया कि इस वर्ष यात्रा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए इस बार स्टेट डिजास्टर रिलीफ फोर्स (एसडीआरएफ) को भी तैनात किया जा रहा है।

एसडीएम श्री सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए यात्रा मार्ग में छह बेस कैम्प बनाए गए है। इन बेस कैम्प्स में यात्रियों को ठहरने और भोजन आदि की सुविधा रहेगी। इसके अलावा बेस केम्प पर चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध रहेगी। एसडीएम श्री सिंह ने बताया कि बेस केम्प पर जेनरेटर द्वारा बिजली भी मुहैया कराई जाएगी। श्री सिंह के मुताबिक अब तक देश भर के कुल चार हजार से अधिक श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करवा चुके है और यात्रा शुरु होने तक करीब आठ हजार यात्रियों का रजिस्ट्रेशन होने का अनुमान है।

शिव भक्ति में रमेगी शिव की नगरी...

22 से सावन, राखी तक चलेगा

मंदसौर, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त रक्षाबंधन तक चलेगा। सावन माह की शुरुआत सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी। सावन माह की तैयारियां शुरू हो गई है।शिव पूजा के लिए विशेष शुभ माने जाने वाले सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई से होगी। इस बार सावन माह कई शुभ संयोगों से युक्त रहेगा। इस बार सावन माह की शुरुआत सोमवार से होगी और इसका समापन भी सोमवार को ही होगा।पूरे माह में इस बार पांच सोमवार रहेंगे, आमतौर पर सावन में चार सोमवार रहते हैं, लेकिन इस बार सोमवार के दिन से सावन की शुरुआत होने के कारण पांच सोमवार पड़ेंगे।सावन में अनेक स्थानों पर पूरे माह आयोजन चलेंगे। इसके अलावा कांवड़ से पवित्र जल लाकर मंदिरों में भगवान पशुपतिनाथ में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। सावन माह के पूर्व शहर के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है।

धार्मिक और प्राकृतिक रहेगा महीना

इस माह का धार्मिक और प्राकृतिक महत्व है। सावन में प्रकृति हरियाली से आच्छादित हो जाती है। इस माह में भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा का विशेष महत्व है। भगवान भोलेनाथ प्रकृति के देवता है। माना जाता है कि भगवान विष्णु के क्षीरसागर में विश्राम के दौरान भोलेनाथ ही प्रकृति की बागडोर संभालते हैं और सावन माह में वे प्रकृति का आनंद लेते हैं। भगवान भोलेनाथ को प्राकृतिक वस्तुएं अर्पित करने का विधान है। इसमें बेलपत्र, धतुरा, फूल आदि भगवान भोलेनाथ को अर्पित किए जाते हैं।

प्रोफेसरों को तनाव दे रही ऑनलाईन उपस्थिति की अनिवार्यता...

सर्वर दे रहा दिक्कत, उपस्थिति के बाद भी गैर हाजिरी

मंदसौर, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग ने इस सत्र से एक जुलाई से प्रोफेसरों के लिए आनलाइन उपस्थिति को अनिवार्य कर दिया है। विभाग ने सार्थक एप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराने के आदेश दिए हैं। इसे लेकर कालेजों में प्रोफेसर परेशान हो रहे हैं।

प्रोफेसरों का लोकेशन भी इससे ट्रैस हो रहा है। एप का सर्वर डाउन होने के कारण प्रोफेसरों के आने के बाद भी अनुपस्थिति लगा रहा है।अब भी करीब 60 प्रतिशत उपस्थिति ही दर्ज हो पा रही है। उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कालेजों में कार्यरत प्रोफेसर और अतिथि विद्वान के साथ तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए सार्थक एप से आनलाइन हाजिरी की व्यवस्था की है।इससे कालेज से गायब रहने वाले प्रोफेसर व कर्मचारियों पर नकेल कसी जा सके, लेकिन यह एप अब उन प्रोफेसरों की हाजिरी में बाधा बन रहा है, जो कालेज में उपस्थित तो रहते हैं, लेकिन एप उन्हें अनुपस्थित बता रहा रहा है।अब उच्च शिक्षा विभाग सार्थक एप को स्टाफ के वेतन से जोडने की तैयारी भी कर रहा है।

कालेज से बाहर निकले तो बताना होगा कारण

सरकारी कालेजों में प्रोफेसर, अतिथि विद्वान के अलावा कर्मचारियों के लिए आनलाइन उपस्थिति लगाने के लिए एप बनाया है।मोबाइल में इस एप को डाउनलोड करने के बाद इससे हर रोज उपस्थिति दर्ज की जा रही है।कालेज परिसर में पहुंचकर एप के माध्यम से अपनी सेल्फी लेकर अपलोड करनी होती है।

नेटवर्क नहीं होने से परेशानी

कई सरकारी कालेजों में वाईफाई की सुविधा नहीं है या फिर नेटवर्क नहीं मिल पा रहा है।ऐसे में सार्थक एप काम नहीं करता और नियत समय में प्रोफेसर व अन्य स्टाफ की उपस्थिति दर्ज नहीं हो पा रही है।यदि प्रोफेसर दूसरे कालेजों में परीक्षा लेने जाते हैं, तो भी लोकेशन बदल जाती है। इसका उन्हें एप में स्पष्टीकरण देना पड़ता है। कई बार सार्थक एप में हाजिरी तो लग जाती है, लेकिन छुट्टी होने के बाद चेक आउट नहीं होता।

अब इनकी भी लगेगी ऑनलाईन हाजिरी

अब अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों में भी प्राध्यापकों व अन्य स्टाफ के लिए ई-अटेंडेंस की व्यवस्था अनिवार्य कर दी गई है। अतिथि शिक्षकों को भी सार्थक ऐप के माध्यम से अपनी हाजिरी लगानी होगी। प्राध्यापक कक्षा में सेल्फी के साथ आने और जाने की सूचना दर्ज करेंगे। अतिरिक्त संचालक इसकी रिपोर्ट तैयार करेंगे। अभी तक अनुदान प्राप्त कॉलेजों के शिक्षकों की हाजिरी अभी रजिस्टर में हो रही है। कुछ कॉलेजों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस की व्यवस्था है, लेकिन निगरानी के लिए कोई सेंट्रलाइज्ड व्यवस्था नहीं है। इस कारण विभाग को कॉलेजों की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती। विभाग का मानना है कि इससे प्राध्यापक और कर्मचारी समय पर आएंगे। शिक्षण कार्य सुधारेगा। ड्यूटी से गायब रहने वालों की जानकारी मिलेगी। संबंधित कॉलेज के प्राचार्य का दायित्व होगा कि वे नई व्यवस्था को जल्द लागू करें।

नाबालिगों को बांधकर पीटने का मामला...

चार नाबालिग सहित 6 जनों पर प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पिपलियामंडी थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्चों की आपसी मारपीट के मामले 6 जनों के खिलाफ एस्ट्रोसिटी एक्ट और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों में चार नाबालिग है। इनमें से पुलिस ने पांच को अभिरक्षा में ले लिया है, वहीं एक फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

बता दें कि मंगलवार को एक वीडियो सामने आया था इनमें कुछ बच्चे दो बच्चों की बेल्ट से पिटाई कर रहे थे। उस बच्चे को बिजली पोल से बांधा हुआ है। पिटाई कर रहे नाबालिगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल साइट इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। वायरल होने बाद पीड़ित बच्चों के परिजनों को घटनाक्रम का पता चला तो वे दोनों नाबालिगों को लेकर पिपलियांमंडी थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। मामले में पुलिस ने मारपीट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

स्टेटस पोस्ट किया- अब समझौता नहीं बदला लिया जाएगा

जानकारी के अनुसार एक आरोपी के छोटे भाई के साथ स्कूल में पीड़ित दोनों बच्चों की कहासुनी हुई थी। इसका बदला लेने के लिए आरोपियों ने दोनों बच्चों के साथ मारपीट की और वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड कर दिया। इससे पहले आरोपियों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट अपलोड की थी, उसमें लिखा था 'समझौता नहीं होगा बदला लिया जाएगा'। इस पोस्ट के बाद सभी ने मिलकर मारपीट की वारदात की।

मॉकड्रिल : पुलिस ने किया लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले छोड़े

नीमच, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच में पुलिस उपद्रवियों पर आंसू गैस के गोले और लाठी चार्ज करते हुए नजर आई। नजारा था मॉकड्रिल का। जिला पुलिस बल द्वारा बुधवार को पुलिस लाइन नीमच पर बलवा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। त्योहारों के मद्देनजर पुलिस द्वारा बालवाइयों से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई। मॉक ड्रिल में पुलिसकर्मियों के दो अलग-अलग समूह बनाएं गए, जिसमें एक ग्रुप बलवाइयों का और दूसरा बलवाइयों से निपटने वाले पुलिस बल का था।

मॉक ड्रिल के दौरान जहां बलवाइयो के समूह द्वारा उत्पात मचाया गया। जिस पर पुलिस बल के द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग कर उन्हें काबू किया गया। इस दौरान कुछ घायलों को एबुलेंस से अस्पताल भेजने, कुछ को हिरासत में लेने की ड्रिल की गई।मॉकड्रिल के दौरान

पुलिसकर्मियों को किस तरह लाठी चार्ज करना है, कब करना है, किस स्थिति में आंसू गैस का प्रयोग करना है। कैसे करना है, किस तरह बलवाइयों से निपटने की योजना बनानी है। तत्काल किस तरह के निर्णय लेना है, आदि बातों का वरिष्ठ अधिकारियों ने मार्गदर्शन पुलिस बल को दिया।मॉक ड्रिल के दौरान एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसौदिया, आरआई विक्रम सिंह भदोरिया सहित बड़ी संख्या में जिले के विभिन्न स्थानों से आए पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मृत्यु

पिपलियामंडी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। बुधवार को शाम बरखेड़ापंथ रेलवे ब्रिज के नीचे ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। जिसकी शिनाख्त नही हो पाई। जानकारी के अनुसार 6.30 बजे करीब पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। व्यक्ति के पटरी के साइड में पड़े होने की सूचना इंजन ड्राइवर ने पिपलिया रेलवे स्टेशन पर दी। रेलवे पुलिस के अलावा स्थानीय पुलिस भी मौके पहुंची। मृतक की जेब से शिनाख्तगी के कोई दस्तावेज नहीं मिले। गले में केसरिया गमछा डाला हुआ था। कपड़े फटे हुए थे, जिससे वह विक्षिप्त प्रतीत हो रहा था। पिपलिया पुलिस मामले की जांच के रही है।

आठ सौ से हजार रुपए में एप्रुव करा देते लर्निंग लाईसेंस...

परिवहन विभाग में दलाल बन गए 'सारथी'!

[एजेंट-बाबूओं का नेटवर्क, जनता बन रही धांधली का शिकार]

मंदसौर, 10 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। परिवहन विभाग में धांधली के किस्से नए नहीं है। चेक पोस्ट बंद होने के बाद प्रदेशभर के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के ऊपरी आय का स्रोत बंद हो गया है। लेकिन अभी भी कुछ कर्मचारियों और दलालों की सांठगांठ आम जनता के लिए सिरदर्द बनी हुई है। रही सही कसर पूरी कर रहा है सारथी एप। यहीं कारण है कि आरटीओ में अब भी दलाल ही सारथी बने हुए है। आठ सौ से हजार रुपए दलालों को देना पड़ रहे हैं।

लर्निंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बाद भी लोगों को इसके लिए न सिर्फ आरटीओ के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि कुछ दलालों का सहारा भी लेना पड़ रहा है। यह स्थिति सारथी पोर्टल पर किए जाने वाले ऑनलाइन आवेदनों को रोकने के कारण बन रही है। ऐसे में लोगों को शहर से बाहर स्थित आरटीओ कार्यालय जाना पड़ रहा है। जो लोग नहीं जाना चाहते, उन्हें आरटीओ एजेंट यानी दलालों की मदद लेना पड़ रही है। सूत्रों की मानें तो इसके पीछे एजेंट और बाबुओं का नेटवर्क है।शहर से रोज कई लोग लर्निंग लाइसेंस बनवाने सारथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करते हैं। इनमें अधिकांश आवेदन अटक जाते हैं। स्क्रीन पर पेंडिंग एट आरटीओ लिखा आता है। ऐसे में रोज कुछ लोग आरटीओ कार्यालय पहुंचकर अपने आवेदन मैन्युअली अप्रूव कराते हैं। जबकि, रोज अधिकांश लोग ऑनलाइन आवेदन के अप्रूवल के लिए एजेंटों का सहारा लेते हैं।

एजेंट को पैसे देते ही तुरंत अप्रूव हो जाता है आवेदन

ऑनलाइन अटके आवेदन को अप्रूव कराने के नाम पर एजेंट आवेदक से नया लर्निंग लाइसेंस बनवाने के नाम पर पूरी फीस यानी 600 से 800 या 1 हजार रुपए लेते हैं। हालांकि आवेदक पहले ही ऑनलाइन फीस भर चुका होता है। एजेंट आरटीओ के बाबू को आवेदक की डिटेल देते हैं और बाबू आवेदन को अप्रूव कर देते हैं। दरअसल, ज्यादातर आवेदक आरटीओ कार्यालय शहर से बाहर होने के कारण वहां तक जाना ही नहीं चाहते हैं। इसका फायदा बाबू और एजेंट उठाते हैं।

डुप्लीकेसी के नाम पर सबसे ज्यादा रोक-टोक

ऑनलाइन आवेदन सबसे ज्यादा डुप्लीकेसी के चलते अटकते हैं। अगर किसी आनंद नाम के आवेदक ने आवेदन किया और उसकी जन्म तारीख 4 जून 2004 है। अगर इसी नाम और जन्म तारीख वाला कोई लाइसेंस पूरे देश में बना है तो पोर्टल इसे डुप्लीकेट मानकर पेंडिंग कर देगा। अब आवेदक को इसे मैन्युअली अप्रूव कराना होगा। लेकिन, वहीं आवेदक विदिशा, सीहोर, रायसेन समेत किसी और आरटीओ कार्यालय से आवेदन करता है तो वहां आवेदन अप्रूव हो जाएगा। यह कैसे संभव है कि एक सेंट्रलाइज्ड सर्वर मंदसौर में आवेदन अटक रहा है और दूसरे जिले में नहीं।

विचार-मंथन

एनटीए मानने को नहीं तैयार नीट पेपर लीक

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यह स्पष्ट है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट में पर्चाफोड़ हुआ है, मगर इसमें देखना होगा कि इसका दायरा कितना बड़ा है। दरअसल, विद्यार्थियों की तरफ से दायर याचिकाओं में दुबारा नीट परीक्षा कराने की मांग की गई है। इस संबंध में अदालत ने एनटीए और सीबीआइ से पूछा है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। अगर दो छात्रों को इसका लाभ मिला है, तो पूरी परीक्षा को रद्द करने का आदेश नहीं दिया जा सकता, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से पर्चाफोड़ हुआ है तो यह जंगल की आग की तरह है। अगर परीक्षा की शुचिता 'नष्ट' हुई है तो दुबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। हालांकि एनटीए और सरकार अंत तक अपनी दलील पर अड़े रहे कि जिन अभ्यर्थियों को कृपांक दिया गया था, उन्हें दुबारा परीक्षा देने का विकल्प दिया गया और अब नतीजे दुरुस्त हैं। मगर अदालत ने एनटीए से पर्चाफोड़ की प्रकृति और उन केंद्रों के नाम बताने को कहा है, जहां पर्चाफोड़ हुआ। सीबीआइ से पूछा है कि उसकी जांच में क्या तथ्य हाथ लगे हैं। दुबारा परीक्षा की मांग करने वाले छात्रों से भी अपने पक्ष में तर्क देने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई गुरुवार को होनी है। लगता नहीं कि एनटीए के पास अपने बचाव में कोई पुख्ता दलील बची है। वह शुरू से यही कहती आ रही है कि इस परीक्षा में पर्चाफोड़ हुआ ही नहीं। केंद्रीय शिक्षामंत्री भी कहते रहे कि परीक्षा से पहले पर्चे बाहर नहीं गए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि पर्चाफोड़ तो हुआ है। परीक्षा के दिन से ही विद्यार्थी आरोप लगा रहे हैं कि इसमें नकल कराई गई, मगर एनटीए उसे खारिज करता रहा। फिर जब नतीजे आए तो अभूतपूर्व ढंग से सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे अंक मिले देखे गए। यह भी तथ्य उजागर हो गया कि कुछ केंद्रों पर ही ऐसे विद्यार्थियों की संख्या अधिक थी। एनटीए दलील देता रहा कि चूंकि जिन विद्यार्थियों को पर्चा मिलने में देर हुई उन्हें कृपांक दिए गए, इसलिए उनके अंक बढ़ गए। मगर इस सवाल का उसके पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था कि कृपांक देने का उसका आधार क्या था। फिर दबाव बना, तो पंद्रह सौ से अधिक कृपांक पाए विद्यार्थियों की दुबारा परीक्षा ली गई। इस परीक्षा में करीब चौबीस लाख विद्यार्थी बैठे थे। इसके लिए उन्होंने महीनों कड़ी मेहनत से तैयारी की थी। अगर दुबारा परीक्षा होगी, तो उन्हें फिर से उसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। मगर विडंबना है कि न तो एनटीए ने इस मामले को गंभीरता से लिया और न सरकार ने। कहां तो सरकार को यह भरोसा कायम करना चाहिए कि इस तरह की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में कोई धांधली हो ही नहीं, वह खुद इस पर पर्दा डालने में जुटी रही। अगर वह सचमुच इसे लेकर गंभीर होती, तो मामला सर्वोच्च न्यायालय में जाने ही न पाता। सरकार के इस रवैए से पर्चाफोड़ करने वाले नकल माफिया को प्रश्रय ही मिलेगा और वे काबिल छात्रों की हकमारी कर पैसे के बल पर अयोग्य विद्यार्थियों को चिकित्सा जैसे संवेदनशील महकमे में प्रवेश दिलाते रहेंगे। जब तक सरकार सच्चाई स्वीकार करने का साहस नहीं दिखाती और नकल कराने वालों के खिलाफ गंभीरता से सख्ती नहीं बरतती, तब तक ऐसी समस्याओं से पार पाना कठिन बना रहेगा।

पर्यावरण से जुड़े अपराध का शीघ्र निपटारा हो...

रोहित कौशिक

वह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि देश की विभिन्न अदालतों में पर्यावरण से संबंधित अपराधों के अनेक मामले सुनवाई के लिए लंबित हैं। इस दौर में जिस गति से पर्यावरणीय अपराध बढ़ रहे हैं उस गति से इनका निपटारा नहीं हो पा रहा है। आज पर्यावरण का क्षेत्र एक बड़ा आपराधिक क्षेत्र बनता जा रहा है लेकिन इसे दूसरे अपराधों की तुलना में उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता है। यही कारण है कि पर्यावरणीय अपराधों के निपटारे में लापरवाही बरती जाती है। कुछ समय पहले गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठन 'सैंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमैंट' ने एक रिपोर्ट में बताया था कि देश में पर्यावरण से जुड़े अपराध 4 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। हालांकि इन मामलों का निस्तारण बहुत धीमी गति से हो रहा है। अगर यही हाल रहा तो इन मामलों के निपटारे में कई दशक लग जाएंगे। अदालतों द्वारा रोज इस तरह मामलों का निपटारा किया जा रहा है लेकिन बैक लॉग खत्म करने के लिए ज्यादा मामलों का निपटारा होना जरूरी है। कुछ समय पूर्व 'सैंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमैंट' द्वारा जारी यह रिपोर्ट पर्यावरण के क्षेत्र में पनप रहे खोखले आदर्शवाद की तरफ भी इशारा करती है। क्या कारण है कि भाषणों में पर्यावरण पर बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं लेकिन व्यावहारिक रूप से पर्यावरणीय अपराधों में लिप्त लोग खुलेआम घूमते रहते हैं। दरअसल विश्व स्तर पर कुछ प्रचलित पर्यावरणीय अपराध माने जाते हैं। वन्यजीव अपराध अफ्रीका, एशिया और लातिन अमरीका में लगातार बढ़ता जा रहा है। इस अपराध से सभी प्रकार की प्रजातियां-स्तनधारी, पक्षी, सरीसृप और उभयचर, कीड़े और पौधे प्रभावित होते हैं। अवैध रूप से वृक्षों की कटाई ने दुनिया में सभी महाद्वीपों को प्रभावित किया है और यह चीन, भारत और वियतनाम जैसे सभी ऊष्णकटिबंधीय वन क्षेत्रों में व्यापक रूप से हो रही है। विश्व के कई भागों में अवैध रूप से मछली पकड़ना इसी अपराध की श्रेणी में आता है। पर्यावरणीय अपराधों में प्रदूषण संबंधी अपराधों का भी बड़ा दायरा है। अवैध कचरे की तस्करी तथा क्लोरो-फ्लोरो कार्बन,हाइड्रो क्लोरो-फ्लोरो कार्बन और अन्य ओजोन क्षयकारी पदार्थों का अवैध उत्पादन और उपभोग भी इसी श्रेणी में आता है। अवैध खनन के पर्यावरण पर होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए इसे पर्यावरण अपराध की श्रेणी में रखा गया है। पर्यावरण अपराधों की अन्य सूचियों में कचरा और अपशिष्ट निपटान, तेल रिसाव, जल स्रोतों में अनुचित निष्कासन, आर्द्र भूमि वैटलैंड, विनाश, कीटनाशकों का अनुचित निष्कासन आदि शामिल हैं। दरअसल पर्यावरण के मुद्दों को निपटाने के लिए बहुत से कानून अस्तित्व में हैं लेकिन उनका ठीक ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो पाता है। अनेक पर्यावरणीय अपराधों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वर्ष 2010 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एन.जी.टी.) की स्थापना की गई थी। हालांकि एन.जी.टी. एक अर्द्धन्यायिक निकाय है और इसके पास सीमित शक्तियां हैं। सामान्य अदालतों पर बोझ कम करने के लिए एन.जी.टी. बनाया गया था। इसके पास कानून-प्रवर्तन एजैंसियों के समान अधिकार हैं लेकिन यह एक सामान्य अदालत की तरह नहीं है। एन.जी.टी. अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर सजा के लिए सिफारिशें जारी कर सकता है। हालांकि इस तरह की सजा को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। आज एन.जी.टी. को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एन.जी.टी. अधिनियम के प्रावधानों की समीक्षा की जरूरत है। आमतौर पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायिक सदस्यों के रूप में नियुक्त किए जाते हैं। इसके साथ ही 15 साल के अनुभव वाले भौतिक विज्ञान या जीव विज्ञान में डॉक्टरेट तथा इंजीनियरिंग स्नातकोत्तर व्यक्तियों को भी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया जाता है। सवाल यह है कि विशेषज्ञों को किताबी ज्ञान के अलावा कितना व्यावहारिक ज्ञान होता है? आज जरूरत इस बात की है कि प्राधिकरण और अदालतों में व्यावहारिक ज्ञान वाले पर्यावरण विशेषज्ञों और जजों की नियुक्ति भी की जाए। पर्यावरण के संदर्भ में जजों की समझ विकसित करने के लिए निश्चित अंतराल पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जा सकती हैं। पर्यावरणीय अपराधों के शीघ्र निस्तारण के लिए सरकार को भी पर्यावरणीय न्यायालयों में और ज्यादा संसाधन बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए।

आपराधिक कानूनों के बाद साम्राज्यवादी पुलिस एक्ट रद्द हो

नए क्रिमिनल कानून लागू होने के बाद पहला मामला कब और कहां दर्ज हुआ, इसमें बड़ा कन्फ्यूजन और विरोधाभास हो गया। ये कानून 30 जून की रात 12 बजे के बाद यानी 1 जुलाई की तारीख से लागू हुए। रात 12.15 बजे पहला मामला एक स्ट्रीट वैंडर के खिलाफ दिल्ली में दर्ज होने की ब्रेकिंग न्यूज मीडिया में प्रसारित होने से सरकार में खलबली मच गई। नए कानूनों के पीछे दंड की बजाय न्याय और छोटे मामलों में सामुदायिक सेवा से मुकदमों के निस्तारण का उद्देश्य बताया गया था। स्ट्रीट वैंडर के खिलाफ मामला दर्ज होने पर कानूनों को गरीब विरोधी नैरेटिव मिल सकता था। गृहमंत्री ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए मीडिया रिपोर्टों को गलत बताया। शाह के अनुसार वैंडर के खिलाफ पुराने प्रावधानों के तहत दर्ज मामले को रिव्यू के प्रावधान का उपयोग करके पुलिस ने खारिज कर दिया। एफ..आई.आर. होने के 12 घंटे के भीतर उसे रद्द करना, पुलिस के अधिकारों और कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करता है। यह भी कहा जा रहा है कि पुराने कानून के तहत मामला गलत दर्ज होने पर क्या नए कानूनों के तहत मामले को दोबारा दर्ज नहीं करना चाहिए? सरकार के अनुसार साल 2020 में सभी आई.पी.एस., कलैक्टर, सांसदों, मुख्यमंत्रियों, सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के जजों से नए कानून के बारे में सुझाव मांगे गए थे। गृह मंत्रालय की समिति में भी इन कानूनों पर 3 महीने तक गहन चर्चा हुई।

जीवन में मुस्कुराहट का है बहुत प्रभाव

ललित शौर्य

किसी भी व्यक्ति के चेहरे के भाव उसके भीतर के भावों का प्रतिबिंब होता है। अक्सर मन के भीतर की कशमकश चेहरे पर झलक ही आती है। हर्ष, दुख, विषाद, कष्ट, खेद सब चेहरे पर अंकित होते रहते हैं। इसी से व्यक्ति की मानसिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है। व्यक्ति के जन्म लेने से ही ये भाव अपने आप नैसर्गिक रूप से व्यक्ति के मुखमंडल पर प्रदर्शित होते रहते हैं। जब एक बच्चा जन्म लेता है तो वह रोने लगता है। जब उसकी मां उसे पुचकारती है, उसे दूध पिलाती है तो वह चुप हो जाता है। जब उसे बांहों के झूले में झुलाया जाता है तो वह मुस्कराने लगता है। शांत हो जाता है। ठीक इसी तरह जब कोई व्यक्ति किसी सिनेमाघर में कोई फिल्म देखने जाता है तो समय-समय पर अलग-अलग भाव उसके चेहरे पर दिखाई देते हैं। कभी वह मुस्कराता है तो कभी उसकी आंखों में आंसू भर जाते हैं। इसी तरह किसी दृश्य पर कभी उसका चेहरा क्रोध से तमतमा जाता है। फिल्म में चल रहे दृश्यों के हिसाब से उसके चेहरे के भाव बदलते रहते हैं, क्योंकि पर्दे पर चल रही फिल्म के साथ-साथ एक फिल्म उसके मन में भी चल रही होती है। मन में चलने वाली फिल्म से उपजी संवेदनाओं के भाव उसके चेहरे पर आते रहते हैं। हमारे चेहरे का एक भाव ऐसा है, जो सदैव दूसरों को आकर्षित करता है। इससे हमारे व्यक्तित्व में भी निखार आ जाता है। यह है हमारी मुस्कान। मुस्कान हमारे साथ-साथ सामने वाले के मन के भावों को भी मधुरिम कर देती है। मधुर मुस्कान का माधुर्य जीवन को मधुर कर देता है, जिस व्यक्ति के व्यक्तित्व में मधुर मुस्कान का गुण निहित रहता है, वह सबका चहेता बन जाता है। रूखे चेहरे वाले व्यक्ति से लोग बात करना या नजदीकियां बनाना कम पसंद करते हैं। जबकि चेहरे पर मुस्कान सजाए हुए व्यक्ति से लोग जल्दी घुल-मिल जाते हैं। उसे अपने जैसा या अपने नजदीक पाते हैं। मुस्कान के कई गुण होते हैं। मुस्कान मरहम का कार्य भी करती है। जब कोई मरीज अस्पताल में बेसुध पड़ा रहता है। सामने से आते हुए डाक्टर के चेहरे पर अगर मुस्कान हो वह मरीज भी अंदर से मुस्कराने लगता है। वह मुस्कराहट उसकी बीमारी पर मरहम की तरह लगने लगती है। वह सकारात्मकता से भर जाता है, जो उसे स्वस्थ होने में एक बड़े सहायक का काम करती है। ठीक इसके विपरीत अगर डाक्टर का व्यवहार रूखा हो तो मरीज की बीमारी अपने आप ही बढ़ने लगती है। यहां पर हम मुस्कान की ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं। मुस्कान के भीतर सकारात्मकता भरी होती है, जो सर्वत्र माहौल को ऊर्जावान एवं सकारात्मक बनाती है। हम देखते हैं कि अधिकांश देवी-देवताओं की मूर्ति और चित्रों में उन्हें मुस्कराते हुए दिखाया गया है। यह मुस्कान भी एक अदृश्य ऊर्जा की ओर इंगित करती है। जब हम मंदिर जाते हैं और मूर्ति को देखते हैं तो हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का उत्सर्जन होने लगता है। हमारे भीतर के नकारात्मक भाव कम होने लगते हैं। इसीलिए मंदिर एक सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र लगने लगता है। शोध बताते हैं कि मुस्कराते रहने वाले व्यक्ति ऊर्जावान होते हैं। उनके भीतर की जीवटता अद्भुत होती है। उनकी कार्यकुशलता अद्भुत होती है। वे लोग सामान्य लोगों की तुलना में अधिक मिलनसार और सामाजिक होते हैं। ऐसे लोगों का सामाजिक दायरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जाता है। हर परिस्थिति में मुस्कराने वाले लोगों को यह मुस्कान आत्मबल प्रदान करती है। यह आत्मबल ही उन्हें हर परिस्थिति से लड़ने की, जूझने की सामर्थ्य प्रदान करता है। जीवन में उन्नति एवं उपलब्धियों की गाड़ी में सवार होने के लिए कठोर परिश्रम के साथ-साथ आकर्षक व्यक्तित्व का होना अत्यंत आवश्यक है। आकर्षक मुस्कान परिपक्व व्यक्तित्व की पहचान है। जीवन में चाहे परिवार हो या फिर समाज या फिर कार्य-क्षेत्र। हर जगह सुलझे हुए और मुस्कराते हुए व्यक्तित्व का ही आदर होता है। परिवार में माता-पिता उस बच्चे से ज्यादा लगाव रखते हैं जो सकारात्मक हो, मुस्कराता रहता हो, परिस्थितियों को समझता हो। इसके विपरीत हर समय परेशान, परिस्थितियों की समझ नहीं रखने वाले, मुंह लटकाए रखने वाले को तुलनात्मक रूप से कम तवज्जो दी जाती है। ठीक यही सब कुछ समाज और व्यक्ति के कार्य क्षेत्र में भी घटित होता रहता है। जो मुस्कान में सच्चाई होगी, वही दुख की संवेदना भी भरा होगा और वाजिब जगहों पर सचमुच दुख भी प्रकट सकेगा। जीवन के माधुर्य को बनाए रखने के लिए मुखमंडल के माधुर्य को कम नहीं होने देना चाहिए। यही मधुरता हमारे जीवन में सरसता घोलती रहेगी।

हाथरस सत्संग हादसे से उपजते सवालों के जवाब आखिर कौन देगा?

पहला सवाल यही है कि हाथरस में जिस सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में यह भगदड़ मची, जिसके बाद लोग हताहत हुए, उस बाबा का अब तक पता घटना के तत्काल बाद क्यों नहीं चला? जिस तरीके से एफआईआर में आरोपी बाबा का नाम नहीं डाला गया, वह भी चिंता की बात है। लीजिए, भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) में विफल सेवादारों और उनको 'बैक सपोर्ट' दे रहे प्रशासनिक हुक्मरानों की नादानी या लापरवाही या फिर दोनों से एक और जघन्य हादसा हो गया, जिसने 121 लोगों की इहलीला समाप्त कर डाली। वहीं, इस घटना में अन्य 38 लोग घायल भी हुए हैं। इस मामले की गम्भीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि मृतकों में उत्तरप्रदेश के 18 जिलों सहित हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश के भी कई लोग शामिल हैं। इस घटना से सिविल और पुलिस प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि उनकी लापरवाही से एक बार फिर राजनीतिक नेतृत्व लांछित हुआ है।

पहला सवाल यही है कि हाथरस में जिस सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में यह भगदड़ मची, जिसके बाद लोग हताहत हुए, उस बाबा का अब तक पता घटना के तत्काल बाद क्यों नहीं चला? जिस तरीके से एफआईआर में आरोपी बाबा का नाम नहीं डाला गया, वह भी चिंता की बात है। आखिर क्या हुआ, उसको धरती खा गई या पाताल निगल गया, पुलिस प्रशासन को यह बताना होगा, या फिर उसे ढूंढकर कानून के कठघरे में लाना होगा, ताकि समुचित सजा मुकर्रर करवाई जा सके। दूसरा सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के थाना सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव रतीभानपुर में आयोजित भोले बाबा के सत्संग में अचानक भगदड़ मच गई, लेकिन उससे पहले भीड़ नियंत्रण यानी क्राउड मैनेजमेंट के बारे में सोचा तक नहीं गया। यह उस कथित बाबा और उनके सेवादारों की तो लापरवाही है ही, लेकिन स्थानीय अनुमण्डल और जिला प्रशासन भी इस हादसे के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। क्योंकि किसी भी कार्यक्रम के आयोजन के लिए पूर्व प्रशासनिक स्वीकृति की आवश्यकता इसलिए पड़ती है ताकि समय रहते ही क्षेत्र विशेष में नागरिक सुविधाओं की आपूर्ति की जा सके, सुरक्षा के समुचित उपाय किये जा सकें या फिर कोई आकस्मिक दुर्घटना होने पर लोगों को हताहत होने से बचाया जा सके। तीसरा सवाल यह है कि इतनी बड़ी जुटान के बाद भी प्रशासन हाथ पर हाथ धरकर क्यों बैठा रहा? आखिर उसने एम्बुलेंस, अग्निशमन दस्ता, चिकित्सा सुविधाएं, आवागमन व्यवस्था, पेयजल, चलंत शौचालय आदि के लिए न तो कोई पूर्व उपाय किये और न ही तात्कालिक प्रबंध! क्योंकि यदि ऐसा किया गया होता तो इतनी बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं होते। वहीं, हादसे के बाद भी जो प्रशासनिक संवेदनशून्यता और व्यवस्थागत लाचारी/ लापरवाही सामने आई, उसने भी अब तक हुए जनस्वास्थ्यगत विकास के तमाम दावों की कलई खोल दिए। चतुर्थ सवाल यह है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है? अनुमण्डल प्रशासन, जिला प्रशासन, राज्य प्रशासन या फिर केंद्र की बैशाखी वाली गठबंधन सरकार? या फिर वह निजीकरण, जो सरकारी संस्थाओं को दीमक की तरह चाट चुका है अपने निजी लाभ के लिए! और इसकी हकीकत तब सामने आती है जब कोई बड़ी घटना-दुर्घटना या हादसे हो जाते हैं। पांचवां सवाल यह है कि इस हादसे के मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जो दलित और ओबीसी वर्ग के हैं। बावजूद इसके, इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी मृतकों के लिए जो महज 2-2 लाख रुपये के मुआवजे घोषित किये गए हैं, वो ये जाहिर करते हैं कि हमारे देश-प्रदेश में गरीब लोगों के जान की कोई कीमत नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5292

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5291

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5292

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह थाईलैंड में रामायण का थाईसंस्करण महाकाव्य है (4)
5. इटली का एक प्रमुख ज्वालामुखी है जिसकी भौगोलिक स्थिति सिसली द्वीप है जो कैटेनिया प्रांत में स्थित है (3)
8. उदाहरण के तौर पर (4)
9. अभिव्यक्त करना, कथन वचन (3)
10. बाधा, रूकावट, अड़चन (3)
11. ऐसा काव्य जिसमें रस, अलंकार, नायिका भेद आदि तत्वों को ध्यान में रखकर लिखा गया हो (4)
15. वह प्राणी जो पुरुष जाति का हो (2)
16. भेड़ (2)
17. किरण कुमार, शिखा सिन्हा, प्रेमनाथ आदि की भूमिकाओं वाली एक [illegible] फिल्म (4)
19. [illegible] (2)
21. [illegible], पैगम्बर, रसूल (2)
22. [illegible] (5)

ऊपर से नीचे

1. राम के चरित्र अभिनय हेतु होने वाला समारोह (4)
2. तीस दिन का समय, माह, महीना (2)
3. हर्षध्वनि, [illegible], किलकारी (4)
4. महिला ईसाई पादरी को यह कहा जाता है (2)
5. एक निषाद का नाम जिसने गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति को गुरु मानकर उसके सामने शस्त्राभ्यास किया था (4)
6. सेवा-शुश्रूषा, तीमारदारी, खिदमत (3)
7. विविध, अनेक प्रकार के (2)
10. [illegible] (3)
12. तृण, सूखी घास आदि का छोटा टुकड़ा (3)
13. क्रोध, गुस्सा (2)
14. [illegible] (2)
16. परिश्रम, शारीरिक श्रम (3)
17. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
18. जंगल, अरण्य, वन (3)
20. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5291 का हल

उ	त	र	प्र	दे	श	■	क
मा	■	म	हि	■	प	ह	ला
भा	ज	क	■	ला	ख	■	का
र	ग	■	स	म	ग्र	■	र
ती	त	र	■	■	ह	जू	■
■	■	ह	■	प्रा	ण	■	प
अ	या	म	■	धी	■	सा	ली
कं	■	त	प	न	■	ध	र

गायत्री परिवार व वर्क संस्था ने स्वच्छता अभियान के साथ पौधारोपण अभियान चलाया

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। गायत्री परिवार व वर्क संस्था के श्रमदानियों ने हर्बल गार्डन में स्वच्छता अभियान के साथ ही पौधारोपण अभियान भी किया। यहां पर महिलाओं ने भी श्रमदानियों के साथ मिलकर श्रमदान करते हुए पौधे की क्यारियां, गडाई, घास व पेड़ की छटाई का कार्य किया।

संस्था के सदस्यों यहां पर दो घण्टे श्रमदान किया व गाजर घास को उखाड़ा। गाजर घास से मच्छर पैदा हो रहे थे जिसके कारण इस गार्डन में प्रातःकाल व सायंकाल घूमने आने वाले लोगों को बीमारी का खतरा था जिस कारण यहां पर उग आई गाजर घास को नष्ट किया गया। हर्बल गार्डन मंदसौर का ऐसा स्थान है जहां प्रतिदिन गायत्री मंत्र होता है। यहां पर घूमने से यज्ञ की ऊर्जा व पेड़ पौधों से शुद्ध हवा व ऑक्सीजन मिलती है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। प्रातः 6 बजे से शुरू हुए श्रमदान में गायत्री परिवार की बहने सुनीता बहन व माया पटेल, ने सहयोग प्रदान किया। यहां पर तीन बहने हर्बल गार्डन की व्यवस्था देखती है और ज्यूस सेंटर संचालित करती है। यहां पर नीम, करेला, गिलोय, गाजर, आंवला सहित कुल 12 तरह के ज्यूस पिलाये जाते है व अंकुरित अनाज भी दिया जाता है। यहां पर देशी गाय का गौ नीर मिलता है। स्वच्छता अभियान के रमेश सोनी ने कहा कि नगर में ऐसे गार्डन जिसकी देखरेख नहीं हो पा रही हो तो सामाजिक संस्था व समाजसेवी उसे नगरपालिका व प्रशासन से सहयोग लेकर उसको डेवलप करें तथा अपनी नियमित सेवाएं दे जिससे नगर में अच्छा वातावरण निर्मित होगा। वर्क संस्था के फिरोज हुसैन ने कहा कि गायत्री परिवार दो घण्टे श्रमदान कर अपनी सेवाएं देता है। जिससे मन स्वच्छ व तन स्वस्थ रहता है और हमारी संस्था व गायत्री परिवार ने नगर में चार अभियान चला रखे है जिसमें जल अभियान, पर्यावरण अभियान, स्वच्छता अभियान व .नशा मुक्ति अभियान है। बाबूलाल चौहान चन्द्रपुरा ने भी अपना समय दिया। आपने कहा कि मैं रिटायर्ड होने के बाद अपना समय गायत्री परिवार द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान में देता हूं जिससे मे आत्मीय शांति की अनुभूति होती है। गायत्री परिवार नगर में इसी तरह के कार्य कर रहा है। इस अवसर अवसर पर बाबूलाल चौहान, योगेशसिंह सोम, रमेश सोनी, कन्हैयालाल शर्मा, उम्मेदसिंह राठौर, वर्क संस्था के जाफर भाई, फिरोज भाई, जाकिर भाई, मुज़फ्फर हुसैन, माया पटेल, दिव्या आदि ने श्रमदान किया।

महारानी अहिल्यादेवी ने नारी शक्ति से दुनिया को परिचित कराया-डॉ. महाराणा

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, संजीत मार्ग मंदसौर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई त्रि शताब्दी वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निशा महाराणा ने महारानी देवी अहिल्या के महान कार्य पर चर्चा करते हुए कहा कि देवी अहिल्या एक धर्म निष्ठ शासक थी। इनका जीवन आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है, इन्होंने अनेक धार्मिक एवं सेवा कार्यों से समाज को लाभान्वित किया। यह एक ऐसी महिला थी जिन्होंने स्त्रियों की सेना बनाई और नारी शक्ति से दुनिया को परिचित करवाया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ़ व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में हेल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम संपन्न...

अपने गुणों को पहचानने, रेखांकित करने हेतु किया प्रेरित

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। महारानी लक्ष्मीबाई सीएम राईज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में जुलाई माह के दूसरे मंगलवार को उमंग स्कूल हेल्थ एण्ड वैलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिये स्व जागरूकता मॉड्यूल के तहत सत्र मुझमें कुछ खास है स्वयं का मूल्य , आत्मछवि एवं कक्षा 12 में लक्ष्य एवं कॅरियर मॉड्यूल में कॅरियर का चयन सत्र. आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इन गतिविधियों में विद्यार्थियों को कहानियों व चर्चा के माध्यम से अपने गुणों को पहचानने, रेखांकित करने के लिये प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों में स्वयं के प्रति, जीवन मूल्यों की समझ भी विकसित करने के लिये प्रेरणा, विभिन्न रोल मॉडलों की कहानियों एवं जीवन चरित्र के माध्यम से स्वयं के महत्व को जानना आदि बताया गया। मिरर गेम के माध्यम से अपनी इमेज ऐसी हो कि जिससे दूसरों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़े। विद्यार्थियों में कॉपी में अपने गुणों को सूचीबद्ध किया। कमियों को दूर करने के प्रयास करेंगे ऐसा प्रण लिया। सभी शिक्षकों द्वारा 10 जीवन कौशलों, 1 स्व जागरूकता, 2 समानुभूति, 3 संवाद कौशल, 4 अंतर्वैयक्तिक संबंध, 5 समालोचनात्मक चिंतन, 6 रचनात्मक चिंतन, 7 समस्या समाधान, 8 निर्णय लेना, 9 भावनाओं की समझ, 10 तनाव का प्रबंधन पर प्रकाश डाला गया। साथ ही बच्चों में इन कौशलों के विकास के लिये विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को ये भी समझाया गया कि जीवन में सफल और दूसरों के लिये प्रेरणादायी सिर्फ वे ही नहीं होते जो पढ़ाई में अव्वल आते है हर व्यक्ति अपने में विशिष्टगुण लिए रहता है। हमें बच्चों के अंदर छुपे हुए उनके गुण, उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करना चाहिये और कभी भी बाहरी आवरण या चेहरे को देखकर दूसरों का मूल्यांकन नहीं करना चाहिये। बच्चों में निरंतर बुद्धि एवं कौशल का विकास करना चाहिये और उनकी बेहतर आत्म छवि बनाने का प्रयास करना चाहिये। विद्यार्थियों को कॅरियर के चयन को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान कर कॅरियर चयन में स्वयं की भूमिका को समझ पाएंगे और कॅरियर में आने वाली बाधाओं को पहचान कर उचित कॅरियर का चयन करने में सक्षम बन पाएंगे। उक्त जानकारी प्राचार्य श्री के.सी. सोलंकी ने दी। इस अवसर समस्त स्टाफ ने उमंग जीवन कौशल सत्रों को लिया सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

शिक्षा जीवन के लिये और जीवन वतन के लिये समर्पित हो-प्रांत संगठन मंत्री

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 76वां स्थापना दिवस राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया। जिसके तहत कुशाभाऊ ऑडिटोरियम में छात्र उदघोष छात्र सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें 500 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्यरूप से मालवा प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री नीलेश सोलंकी उपस्थित रहे। प्रांत संगठन मंत्री श्री निलेश सोलंकी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते कहा कि शिक्षा सिर्फ डिग्री तक सीमित नहीं हो, शिक्षा के साथ समाज सेवा भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए व शिक्षा जीवन के लिए व जीवन वतन के लिए समर्पित हो व संस्कृति की रक्षा करना भी हमारा कर्तव्य होना चाहिए। कार्यक्रम में नवीन सत्र की घोषणा निर्वाचन अधिकारी श्री प्रोफेसर अनिल आर्य सर ने की। नगर अध्यक्ष के लिए डॉ. राजीव दुबे व नगर मंत्री के लिए विशाल राठौड़ का निर्वाचन किया गया। कार्यक्रम का आभार नवनिर्वाचित नगर मंत्री विशाल राठौड़ ने किया व वन्दे मातरम के बाद छात्र उदघोष का समापन किया गया।

विधारम्भ संस्कार व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

भाटखेड़ी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। शारदा विधा निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाटखेडी में विधारम्भ संस्कार कार्यक्रम व पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज पुरोहित सरपंच ग्राम पंचायत भाटखेडी, सुरेश पाटीदार(स्टेट ट्रेनर इंग्लिश और हिंदी), श्रीमती पिंकी मुंदड़ा (पंचकर्म चिकित्सक), डाक्टर दिनेश खाबिया, सत्यनारायण शर्मा आदि की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विधालय व गांव में बोर्ड कक्षा 10 वी व 12वी 85% अंक लाने विधार्थियों व उनके पालकों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड दैकर सम्मानित किया। शारदा विधा निकेतन के छात्र शिवराज पिता तेजसिंह 10वी बोर्ड 93% अंक अर्जित करने विधालय की ओर साईकिल व प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।वहीं शारदा विधा निकेतन के संस्था प्रधान रामचन्द्र पाटीदार द्वारा विधालय की गतिविधियां व स्कूल से दी जाने वाली सुविधाएं से अवगत करवाया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नीलम पुरोहित ने किया व आभार संस्था प्रमुख रामचन्द्र पाटीदार ने माना।

नपा द्वारा प्लॉगरन कार्यक्रम का शुभारंभ

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। शासन निर्देशानुसार निकाय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शहर में सफायी अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान का संचालन किया जा रहा है। उक्त अभियान अंतर्गत निकाय द्वारा शहर में जीरो वेस्ट प्लॉगरन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान अंतर्गत जनसहभागिता के माध्यम से शहर के मुख्य चौराहों से होते हुए प्लॉगरन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम को जीरो वेस्ट पद्धति अंतर्गत किया गया। जिसमे कपडे से बने थैले का उपयोग किया गया। नागरिकों की पानी पिने के स्टील के लोठे व ग्लास का उपयोग किया गया। अभियान अंतर्गत एकत्रित किये अपशिष्ट को ट्रेन्चिंग ग्राउंड पर निपटान हेतु लेजाया गया। न.पा. अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर,उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला,मु.नपा.अधि.श्री सुधीर कुमार सिंह,पार्षदगण, अधिकारीगण,स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसेडर, अन्य संस्थाऐ, सफाईमित्र व आम नागरिक उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने किया पौधारोपण

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, पी.जी. कॉलेज मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. बी.आर. नलवाया ने बताया कि महाविद्यालय की रासेयो इकाई द्वारा दिनांक 08 एवं 09 जुलाई को विद्या वन में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चन्दवानी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस धरा पर शुद्ध प्राणवायु लेने हेतु हमें अधिकाधिक वृक्षारोपण करना होगा जिससे हम आने वाली पीढी के जीवन संरक्षण के लिए कुछ अनमोल उपहार छोड़ सकें। प्राचार्य डॉ. बी.आर. नलवाया ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के आधार है। वृक्ष हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, अशुद्ध वायु एवं भीषण गर्मी से बचाने का कार्य करते हैं। इससे पूर्व जिला सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश महोदय एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चन्दवानी के आतिथ्य में एवं प्राचार्य डॉ. बी.आर. नलवाया, डॉ. वी.पी. तिवारी एवं महाविद्यालय के वरिष्ठप्राध्यापकों की उपस्थिति में विद्यार्थियों ने महाविद्यालय द्वारा निर्मित विद्या वन में पीपल, गुलमोहर, चम्पा, सीताफल, अमलतास, मधुमालती और विद्या आदि अनेक प्रकार की किस्म के लगभग 280 पौधें लगाएं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं छात्रावास के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

थाना हाजरी का आदेश

नीमच, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा-3(क) के तहत आरोपी कमलेश पिता मदनलाल रेगर निवासी कबरिया,थाना सिंगोली को तीन माह के लिए सदाचार बनाये रखने के लिए पुलिस थाना सिंगोली में सप्ताह में एक दिन थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है।

गौ माता को कराया गुड़ का आहार

कुचड़ोद, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। श्री सांवरिया गौशाला कुचडोद में सोशल मीडिया प्रभारी बलराम कुमावत ने अपने मीडिया साथियों के साथ अपना जन्मदिवस केक काटकर नहीं गौ माता को गुड़ का आहार कराके मनाया। साथ ही यह संदेश दिया कि अपना जन्मदिवस, शादी की सालगिरह अथवा कोई भी विशेष प्रसंग हो। सभी को वह कार्य समीपस्थ किसी गौशाला में गायों को आहार कराके और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए पौधारोपण करके मनाना चाहिए। इससे जहां भारतीय संस्कृति की मूल गौ माता की सेवा होगी वही पौधारोपण करने से वर्तमान में जहां चारों ओर प्रदूषित वातावरण के कारण जीना दूभर हो रहा है इसको मिटाने के लिए यदि कोई साधन उपाय बचा है तो वह है पौधारोपण इसलिए पौधारोपण करने का संकल्प जरूर लेना चाहिए। यह एक महान पुण्य कार्य हो जाएगा। वर्तमान दूषित वातावरण को शुद्ध और स्वच्छ रखने में तथा अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में पौधारोपण यज्ञ आदि धार्मिक कार्यों सें भी बढ़कर एक महान पुण्य कार्य है। यह जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता योग गुरु बंसीलाल टांक द्वारा दी गई।

श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत नीमच में कल पौधारोपण

नीमच, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। जिले में पर्यावरण संरक्षण के लिए कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में श्वेत हरित नीमच अभियान के नाम से नीमच में 12 जुलाई को वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत नीमच शहर के सभी रहवासियों से 12 जुलाई को अपने-अपने घरों या आसपास उपलब्ध स्थानों पर दस-दस चम्पाज के पौधे लगाने की अपील की गई है। पर्यावरण संरक्षण से जुडी सभी संस्था ओं, सामाजिक संगठनों से भी श्वेत हरित नीमच अभियान में सहभागी बनने का आव्हान किया गया है। श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत नीमच की विभिन्न स्वयं संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण संरक्षण से जुडी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने शहर में पार्क, गार्डन, बगीचों, ग्रीन बेल्ट व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अपनी संस्था की ओर से चम्पा का पौधा रोपण करवाने की जिम्मेदारी ली है।

इस अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत जनसहयोग से 200-200 पौधे लगाने की तैयारियां पूरी कर ली गई है। हरित भादवामाता पथ अभियान के तहत जवासा चौराहे से भादवामाता तक सड़क के दोनो ओर लगभग 1200 पौधे लगाने की तैयारियां भी की जा रही है। टी-गार्ड, पौधे की उपलब्धता एवं गड्डो आदि की व्यवस्था प्रशासन व्दारा की जा रही है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने नीमच शहरवासियों से अपील की है, कि वे श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत अपने घर पर (बडे .गमले में), उपलब्ध स्थान अथवा बगीचे में दस-दस चम्पा का पौधारोपण अवश्य करें और इन पौधो का संरक्षण कर बडा करने की जिम्मेदारी लेकर नीमच को हराभरा बनाने में सहभागी बने।

पौधारोपण कर पेड़ बनाने का लिया संकल्प

नगरी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित छात्र छात्राओं, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न प्रजातियों का पौधारोपण कर उन्हें पेड़ बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान नप अध्यक्ष संगीता बग्गड़, सीएमओ धर्म चंद जैन, सांसद प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड़, प्रभारी प्राचार्य रिता शर्मा, यशवंत धाकड़, भंवर लाल सागित्रा, कमलेश चचावद, मुकेश चचावद सहित सभी छात्र छात्राएं एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही।

अनदेखी–नपा कार्यालय के बाहर सड़क तक वाहन खड़े रहने लगे हैं। कभी–कभी ये वाहन यातायात बाधित करते नजर आते हैं। ऐसी स्थिति में मार्ग पर जाम लग जाता है।

सोमनाथ महादेव और नारसिंह माता मंदिर पर होगा भव्य कलश और ध्वजादण्ड समारोह

मनासा, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मंदिरो की नगरी मे मनासा मे धर्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता ही रहता है यहाँ की धर्मप्रेमी जनता भगवान के कार्यों के प्रति सदैव तत्पर तैयार रहती है नगर के सोमनाथ महादेव ओर नारसिंह माताजी मंदिर पर भव्य कलश स्थापना ओर ध्वजादण्ड स्थापना का कार्यक्रम रखा गया है इस धार्मिक आयोजन मे भव्य कलश यात्रा 13जुलाई को सुबह 9 बजे मंशापूर्ण बालाजी सब्जी मंडी से निकलकर सोमनाथ महादेव रामपुरा नाका तक पहुंचेगी इसी तरह तीन दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन 14जुलाई को भव्य सुंदरकांड का आयोजन रात्रि 8 बजे रखा गया है. 15 जुलाई को अभिजीत मुहर्त मे दोनों मंदिरो पर भव्य कलश ओर ध्वजादण्ड की स्थापना की जाएगी ओर महाप्रसादी का वितरण होगा सोमनाथ महादेव ओर नारसिंह माता मंदिर के भक्तो की समिति ने मनासा नगर की धर्मप्रेमी जनता को अधिक से अधिक संख्या मे आमंत्रित कर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

जिले के 15 गांवो में आज राजस्व सेवा शिविरों का आयोजन

नीमच, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व विभाग से संबंधित ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष राजस्व सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज 11 जुलाई 2024 गुरुवार को प्रात: 11 से सायं 4 बजे तक जिले की सभी तहसीलों के 15 ग्रामों में राजस्व अधिकारियों द्वारा विशेष राजस्व शिविर लगाए जाएगें। अधीक्षक भू-अभिलेख नीमच ने बताया, कि गुरूवार 11 जुलाई को इस अभियान के तहत नीमच नगर तहसील के ग्राम लेवडा व जेतपुरा, नीमच ग्रामीण तहसील के ग्राम सिरखेडा व रानपुर, जीरन तहसील के गाँव पिपलिया व्यास व ग्वील तालाब, जावद तहसील के ग्राम घोटा ढाबी, मनासा तहसील के ग्राम खेडी, अखेपुर एवं शिवपुरिया, सिंगोली तहसील के ग्राम धोगंवॉ, टोकरा एवं तरोली, रामपुरा तहसील के गाँव पगाराखुर्द में राजस्व सेवा शिविर आयोजित किये जा रहे है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने अधिकाधिक ग्रामीणों से इन राजस्व सेवा शिविरों में उपस्थित होकर लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने ने सम्बन्धित राजस्व अधिकारियो और पटवारियों को निर्देश दिए है, कि वे कोटवारों के माध्यम से सम्बन्धित गाँवों में शिविरों की सूचना ग्रामीणों और किसानो को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे।

जिले में सभी त्यौहारों पर शांति एवं सद्भाव की परम्परा कायम रहे—कलेक्टर

कलेक्टर एवं एसपी की उपस्थिति में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। जिले में आगामी दिवसों में धार्मिक पर्व यथा 17 जुलाई 2024 को मोहर्रम पर्व, 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस, 19 अगस्त को रक्षाबंधन, 26 अगस्त को जन्माष्टमी, 7 सितम्बर 2024 को गणेश चतुर्थी, 14 सितम्बर को डोल ग्यारस, 16 सितम्बर मिलाद-उन-नबी एवं 17 सितम्बर 2024 को अनंत चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाना है। उक्त सभी त्यौहारो को शांति एवं सदभाव के साथ सौहार्द्रपूर्ण मनाएं जाने की परम्परा कायम रहे। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक में कही। यह बैठक बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में कलेक्टर श्री जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर एस.पी.श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, सीएसपी श्री अभिषेक रंजन, एसडीएम, सहित समिति के सभी सदस्य गण एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए,कि उत्की त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, नगर के मुख्य मार्गो पर साफ-सफाई, गढढों की मरम्मत व मुरम डालकर भराई, अतिरिक्त स्ट्रीट लाईटें लगाने का कार्य नगरपालिका प्राथमिकता से करवाएं, और खराब स्ट्रीट लाईटें ठीक करवाएं। बैठक में नगर पालिका एवं विद्युत मण्डल अधिकारी को निर्देश दिए, कि वे क्षैत्र का संयुक्त रूप से भ्रमण कर, विद्युत आपूर्ति, विद्युत कनेक्शन व विद्युत सुरक्षा, संबंधी व्यवस्थाओं को भली-भांती देख लें। उन्होने नगर पालिका, विद्युत मण्डल नीमच को संयुक्त टीम बनाकर विद्युत केबल व टेलीफोन के नीचे लटक रहे, तारों को दुरस्त करवाने के निर्देश भी दिए है। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने सभी शांति समिति सदस्यों से कहा कि वे त्यौहारों पर आयोजन स्थलों पर उपस्थित अवश्य रहे और शांतिपूर्ण सुव्यवस्थित आयोजन में सहयोग करें। जुलूस, अखाडों में समय-सीमा का पालन करवाए। अनुमति शर्तो का भी पालन करें। कलेक्टर ने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक फोटो, वीडियों, संदेश या सामग्री शेयर अथवा फारवर्ड ना करें। बगैर पुष्टि के कोई संदेश प्रसारित ना करें। समिति के सभी सदस्य समाजों के प्रबुद्धजन, आगामी सभी त्यौहार, प्रेम भाईचारे की भावना के साथ मिलजुकर शांतिपूर्ण तरिके से मनाएं।

आयोजक वालिन्टियर्स की सूची पुलिस को दे– पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने कहा,कि सभी लोग अपने त्यौहार मिलजुल कर भाईचारे के साथ मनाएं। पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जायेगें। शरारती तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जावेगी। उन्होने कहा, कि सामाजिक समरसता के साथ त्यौहार मनाये। त्यौहारों पर शांति समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे अमन चेन कायम रखने में सहयोग करें। उन्होने कहा, कि जुलूस, अखाडों, पाण्डालों के आयोजक अपने आयोजन के लिए अपने स्तर पर स्वयं सेवक भी रखे, और उनकी सूची पुलिस को भी दें तथा जुलूस, अखाडों को निकालते समय, समय सीमा का पालन अवश्य करें। उन्होने कहा, कि शहर में विभिन्न स्थानों पर सीसी टीव्ही कैमरे भी लगे है। आयोजक भी अपने आयोजन, कार्यक्रमों की वीडियाग्राफी अवश्य करवाए। बैठक में न.पा.अध्यिक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा एवं पूर्व न.पा.अध्यक्ष श्री रघुराजसिह चौरडिया, श्री राजकुमार अहीर, पूर्व न.पा.उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र भटनागर, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री उमरावसिह गुर्जर, श्री प्रेमप्रकाश जैन, श्री हेमन्तो हरित, श्री किशोर जवेरिया, डॉ.पृथ्वीसिह वर्मा, श्री भगत वर्मा, श्री जनरेलसिह, श्री संजय पंवार, श्री बाबूलाल नागदा, श्री रंजन स्वामी, श्री हारून रशीद सहित शांति समिति के अन्य उपस्थित सदस्यगणों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

दिनांक 11 जुलाई 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे-

ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है..?

*दक्षिण की ओर सिर करके सोने से धन की स्थिरता रहती है,आयु की वृद्धी होती है,ऐश्वर्य की प्राप्ति होती, मानसिक शांति बनी रहती है तथा नींद अच्छी आती है।

*उत्तर दिशा की तरफ सिर करके सोने से धन हानि, रोग वृद्धी तथा आयु क्षीण होती है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	24	2340	2486
उडद	4	4200	5300
सोयाबीन	4000	3200	4460
गैहु	3900	2600	3150
चना	173	5500	6601
मसुर	156	5501	6250
धनिया	130	4500	7450
लहसुन	12500	7501	22001
मैथी	480	4800	6250
अलसी	650	5601	6034
सरसो	198	4240	5380
तारामीरा	2	4350	4500
इसबगोल	72	9600	12780
प्याज	1800	851	2950
कलोंजी	50	9000	19500
डॉलर	18	7100	11001
तिल्ली	90	10501	12400
मटरसुखी	1	6502	6502
असालीया	15	9300	10250

छबिल विवादित स्थल पर न लगाएं, प्रशासन को सूचना देकर छबिल लगाएं

अखाड़े के दौरान धारदार हथियार का प्रदर्शन न हो, पर्व शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाए

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान आगामी दिनों में आने वाले पर्वो पर की जाने वाले शांति व्यवस्था पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सभी समाज जनों से आग्रह किया गया की आगामी सभी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाए। बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी

बंशीलाल गुर्जर, शांति समिति के सदस्य, पत्रकार मौजूद थे।

बैठक के दौरान निर्देश दिए गए की मोहरम के दौरान लगाई जाने वाली छबील विवादित स्थल पर न लगे। प्रशासनिक अनुमति के पश्चात ही छबील लगाने के कार्यवाही की जाए। छबील लगाने के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग प्रशासनिक देखरेख एवं नियमानुसार किया जाए। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग से आम जनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जहां पर छबील लगाई जा रही है, उसके आसपास गंदगी ना फेले, इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। जलसा, जुलूस, ताजिए निकालने के दौरान आयोजन कर्ता व्यवस्थाओं का ध्यान रखें। आयोजन कर्ता इसके लिए वोलेंटियर नियुक्त करें। वोलेंटियर को प्रशिक्षण पुलिस विभाग प्रदान करेगा। वोलेंटियर अधिक से अधिक व्यवस्था देखे इसके लिए उन्हें प्रेरित करें। आयोजन को लेकर आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। आयोजन कर्ता जिम्मेदारी के साथ व्यवस्था को देखते हुए कार्य करें। आयोजन सुचारू रूप से चले इसका विशेष तौर पर ध्यान रखें। अखाड़ों एवं अन्य प्रदर्शन के दौरान धारदार हथियारों का प्रयोग ना किया जाए। धारदार हथियारों का प्रयोग के दौरान किसी भी प्रकार की रियायत नहीं बरती जाएगी। प्रदर्शन के दौरान अगर ट्यूबलाइट फूटती है, तो कांच तुरंत समेट लिए जाए। कांच से बच्चों को चोट नहीं पहुंचना चाहिए। समाज जन इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें की कचरा खुले में न फेके। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग नियमानुसार करें। इसके साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग के दौरान नियमानुसार अनुमति लेकर ही कार्यवाही करें। ताजिए निकालने के दौरान समाज जन वोलेंटियर नियुक्ति करें। जो कि हमेशा ताजिए के साथ रहे।

जिले में अब तक 131.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। जिले में इस वर्ष अबतक औसतन 131.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गयी है। जबकि पिछले 24 घन्टों में मंदसौर जिले में 1.0 मिमी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घन्टों में मंदसौर में 11.0 मि.मी., सीतामऊमें 0 मि.मी. सुवासरा में 1.0 मि.मी., गरोठ में 0 मि.मी., भानपुरा में 0 मि.मी., मल्हारगढ मे 0 मि.मी., धुधंडका में 0 मि.मी., शामगढ में 0 मि.मी., संजीत में 0 मि.मी., कयामपुर में 0 मि.मी. एवं भावगढ में 0 वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। विगत 1 जून से अबतक वर्षामापक केन्द्र मंदसौर में 75.0 मि.मी., सीतामऊ में 103.0 मि.मी. सुवासरा में 101.8 मि.मी., गरोठ में 158.3 मि.मी., भानपुरा में 162.8 मि.मी., मल्हारगढ मे 42.0 मि.मी., धुधंडका में 106.0 मि.मी., शामगढ में 187.2 मि.मी., संजीत में 164.0 मि.मी., कयामपुर में 149.5 मि.मी. एवं भावगढ में 194.0 वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। गांधीसागर बांध का जल स्तर अब तक 1293.68 फीट है।

महिला को पीटा, देवर व ससुर पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। महिला से मारपीट करने वाले देवर व ससुर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। सोकडी निवासी दुर्गाबाई पति गणपत बावरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जमीन बंटवारे के विवाद में देवर मुकेश व ससुर बाबूलाल ने गाली-गलौज कर मारपीट की। जिससे हाथ, गले व कंधे पर चोंटे आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

फसल को बारिश से बचाने के जतन–मंदसौर की कृषि मंडी में किसानों को उपज का अच्छा दाम मिल रहा है। बारिश से बचाव के लिए भी किसान फसल को बचाने के लिए जतन कर रहे हैं।

हाथ ठेला व्यापारी संघ ने मांगों को लेकर राज्यसभा सांसद व नपाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। हाथ ठेला व्यापारी संघ मंदसौर द्वारा 10 जुलाई, बुधवार को राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर एवं नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर को भाजपा नेता व पूर्व नपा उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली व हाथ ठेला व्यापारी संघ मंदसौर के अध्यक्ष कैलाश मनवानी के नेतृत्व में ज्ञापन देकर सड़क पटरी एवं ठेले पर व्यापार करने वाले व्यापारियों से अर्द्धवार्षिक/वार्षिक किराये के बजाय प्रतिमाह किराया लेने की मांग की गई।

हाथ ठेला व्यापारी संघ मंदसौर के अध्यक्ष कैलाश मनवानी ने बताया कि सड़क पटरी पर बैठकर व्यवसाय करने वाले व्यापारियों से मध्यप्रदेश शासन के निर्देश पर नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा सड़क पटरी व ठेला पर व्यापार करने वाले व्यापारियों से वार्षिक/अर्द्धवार्षिक शुल्क लेने का निर्णय लिया है जबकि पहले प्रतिदिन किराया वसूल किया जाता था। अप्रैल 2024 से शासन के निर्देश पर नगरपालिका द्वारा प्रतिदिन किराया बंद कर अर्द्धवार्षिक/वार्षिक शुल्क लेने से सड़क पटरी पर बैठकर व ठेले पर व्यापार करने वाले गरीब वर्ग को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। सड़क पटरी पर बैठकर व्यवसाय करने वाले छोटा व्यवसाय कर अपने परिवार का पालन पोषण करते है। कई बार उनका व्यवसाय भी नहीं चल पाता है ऐसे में उनके लिये वार्षिक/अर्द्धवार्षिक शुल्क देना असंभव है। सांसद श्री गुर्जर एवं नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर से मांग की कि सड़क पटरी व ठेला पर व्यापार करने वाले व्यापारियों से अर्द्धवार्षिक/वार्षिक किराये के बजाय प्रतिमाह किराया लिया जाकर उन्हें राहत प्रदान की जाये। इस अवसर पर राजेश चौहान, गोपाल डगवार, राजेश खिंची, दिलीप मुलानी, गिरीश पुरस्वानी, काली चौहान, पप्पू पंवार, रमेश पंवार, हरिकृष्ण पंवार, रमेश सामियानी, पिंकु कोटवानी, विनोद साहू, धर्मेन्द्र भाटी, मनीबाई, मुकेश राठौर, समीरबाई, मोहम्मद हुसैन, श्याम बेग, सोनाबाई, रमेश भारतीय, कन्हैयालाल गेहलोद, जाकीर नीलगर, सुनीता चौहान, गुड्डी चौहान, कैलाश, महेश खिंची, शंकर ग्वाला, राजू परमार, लाला परमार, युनुस कुंजड़ा सहित सैकड़ों की संख्या में सड़क पटरी पर व्यापार करने वाले व्यापारीगण उपस्थित थे।

गौवंश तस्करी : बोतलगंज के रहीम डंडु पर रासुका में कार्रवाई

पिपलियामंडी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। पिपलियामंडी थाना पुलिस ने गौवंश तस्करी मामले में बोतलगंज के रहीम पिता शब्बीर डंडु 42 वर्ष पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। गौवंश तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई करने हेतु मल्हारगढ़ एसडीओपी नरेन्द्र सोलंकी के मार्गदर्शन में पिपलिया थाना इंचार्ज उपनिरीक्षक नितिन कुमावत रासुका के तहत कार्रवाई प्रतिवेदन कलेक्टर दिलीप यादव के कार्यालय में प्रेषित किया था। जिसमें रहीम डंडु पर रासुका आदेश पारित किया गया। आदेश के पालन में जिला जैल मंदसौर में निरूद्ध आरोपी रहीम डंडु को मंदसौर से केन्द्रीय जैल इंदौर दाखिल किया गया है। एसडीओपी सोलंकी ने बताया कि रहीम पिता शब्बीर डंडु पर कुल 24 अपराध पंजीबद्ध है, जिसमें से 14 अपराध गौवंश तस्करी से संबंधित है, जिसमें मंदसौर जिले के साथ नीमच, बड़वानी, बुरहानपुर एवं राजस्थान के चित्तौडगढ, टोंक, झालावाड जिले एवं उत्तरप्रदेश के हापुड जिले में गोवंश तस्करी के अपराध दर्ज है।

उत्तराखंड में गिरा पहाड़, बाल-बाल बची श्रद्धालुओं की जान

देहरादून, 10 जुलाई। मानसून के दौरान पहाड़ों में भूस्खलन की घटनाएं अक्सर सामने आती है। वहीं चारधाम यात्रा के बीच उत्तराखंड में पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया है। बद्रीनाथ हाईवे के पास ये घटना आज सुबह देखने को मिली। ये हादसा बद्रीनाथ हाईवे राष्ट्रीय राजमार्ग 7 पर हुआ है। यहां मौजूद पाताल गंगा के पास पहाड़ी से एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। इसकी वजह से बद्रीनाथ हाईवे राष्ट्रीय राजमार्ग भी बाधित हो गया है।

पाताल गंगा के पास पहाड़ गिरते हुए वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि ऊपर से पहाड़ी का एक हिस्सा टूटा और नीचे आते हुए उसने विकराल रूप धारण कर लिया। पहाड़ का ये हिस्सा राष्ट्रीय राजमार्ग से होते हुए नीचे खाई में जा गिरा। ऐसे में धूल ने पूरे इलाके को पूरी तरह से ढक दिया। बता दें कि बद्रीनाथ हाइवे पर स्थित पागल नाला पर दोपहर करीब 12:15 मिनट पर ये भूस्खलन देखने को मिला। हालांकि हाइवे की जिस जगह पर पहाड़ टूट कर गिरा, वहां टनल का मुहाना है। इसलिए किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि भूस्खलन इतना जबरदस्त था कि कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। मगर गनीमत इस बात की रही कि भूस्खलन के दौरान हाईवे के उस हिस्से पर कोई वाहन या इंसान मौजूद नहीं था।

हाईवे पर जमा मलबा–भूस्खलन के कारण हाईवे पर मलबा जम गया है। इसकी वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग 7 को बंद कर दिया गया है। भूस्खलन की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा। मलबा हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीद है कि हाईवे को जल्द ही बहाल कर दिया जाएगा।

भोपाल में महिला पीआरओ ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र के साकेतनगर में रहने वाली जनसपर्क अधिकारी 33 वर्षीय पूजा थापक ने मंगलवार सुबह साढे दस बजे फांसी लगा ली। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि उनके पति से किसी बात को लेकर अनबन हुई थी। उसके बाद वह अपने कमरे में चली गई थी। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो पति ने कमरे का दरवाजा तोड़ा और उन्हें फंदे से उतारकर एम्स ले गए। जहां रात करीब 11 बजे इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बुधवार को मृतका के मायके पक्ष के लोगों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया है।

ढाई साल पहले हुआ था विवाह–गोविंदपुरा थाने के थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि पूजा थापक मूलत: ग्वालियर की रहने वाली थीं। उनकी शादी करीब ढाई साल पहले साकेत नगर ए सेक्टर में रहने वाले निखिल दुबे से हुई थी। उनका एक वर्षीय बेटा भी है। उनके पति अरेरा हिल्स स्थित प्रौद्योगिकी विभाग कार्यालय में असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। वह अपने पति और सास-ससुर के साथ रहती थीं। मंगलवार सुबह किसी बात को लेकर पति से अनबन हुई और उसके बाद पूजा ने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया। जब पति को शंका हुई तो उन्होंने कमरे के दरवाजा तोड़ा। अंदर कमरे में पूजा ने दुपट्टे का फंदा बनाकर खुद को लटका लिया था। पति ने पूजा को फंदे से उतारा और एम्स ले गए। पूजा इन दिनों एक मंत्री के यहां काम कर रही थीं।

मायके वालों की मौजूदगी में हुआ पीएम–पूजा थापक की शादी को ढाई वर्ष ही हुए हैं। पुलिस ने ग्वालियर में उनके मायके पक्ष को घटना की जानकारी दे दी थी। उनके बुधवार को भोपाल आने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में आगे की जांच एसीपी गोविंदपुरा करेंगे।

श्री श्याम मित्र मंडल दलौदा की कार्यकारिणी का गठन

मुकेश पाटीदार अध्यक्ष, राजेश राजोरा बने सचिव

दलौदा, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। श्री श्याम मित्र मंडल दलौदा की एक बैठक मंगलवार के दिन आयोजित हुई बैठक में 2023/2024 के कार्यकाल का लेखा जोखा किया गया साथ ही पिछले 17 वर्ष से चल रहे श्री श्याम मित्र मंडल के 18 वर्ष में नवीन कार्यकारिणी गठन किया गया जिसमे सर्वसम्मति से अध्यक्ष श्री मुकेश पाटीदार एलची को बनाया गया

साथ ही उपाध्यक्ष श्री रमेश साहू, सचिव राजेश राजोरा, कोषाध्यक्ष हरीश सेठिया एवम मीडिया प्रभारी श्री हेमंत धनोतिया को बनाया गया श्री श्याम मित्र मंडल के समस्त सदस्य द्वारा नवीन कार्यकारिणी का स्वागत किया गया साथ ही मित्र मंडल द्वारा निर्णय लिया गया की दलौदा नगर में प्रत्येक सामाजिक कार्य को करना पहली प्राथमिकता हे साथ ही सावलिया सेठ तक पेदल यात्रा जन्माष्टमी के पावन पर्व पर दलौदा से सांवलिया जी तक निकालना, शरद पूर्णिमा के अवसर पर नगर में भव्य श्याम कीर्तन का आयोजन करना साथ ही दीपावली के द्वितीय दिवस अन्नकूट महाप्रसादी का वितरण बालाजी मंदिर दलौदा पर करना एवम शिव मंदिर स्टेशन रोड दलौदा पर प्रति श्रवण सोमवार को खीर महाप्रसाद का वितरण करना सहित कई निर्णय लिए गए श्री श्याम मित्र मंडल की बैठक में निर्वतमान अध्यक्ष अमित सोनी, नव गठित अध्यक्ष मुकेश पाटीदार, उपाध्यक्ष रमेश साहू, सचिव राजेश जी राजोरा, कोषाध्यक्ष हरीश सेठिया, मीडिया प्रभारी हेमंत धनोतिया, बलराम पप्पू पाटीदार, गोपाल कुमावत, चंद्र शेखर चौधरी, नटवर लाल गुगर , कंवर लाल राठौड़, बंटी शर्मा,गोपाल दुबे, नितिन गुप्ता, राकेश सिंह केलवा, मनोहर खारिवाल, महेश पाटीदार, कालू भाई सिंधी, जयपाल सिंह सिसोदिया, श्याम पंवार, गोपाल मोगिया, राजेश खटोड, जितेंद्र जी कामराज, राजू पाटीदार , सुनील जोशी, नागेश पालीवाल, प्रहलाद चौधरी, रामदास बैरागी सहित उपस्थित थे।

सरसौद फंटे पर दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु

दलौदा, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। दलौदा थाने के तहत सरसौद फंटे पर बुधवार रात्रि में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रमेशचंद्र पिता मन्ना गेहलोद जाति दर्जी 50 वर्ष निवासी आक्या कलां थाना ताल के रूप में हुई है, जो वर्तमान में पिपलौदा थाना क्षेत्र के गांव सुखेड़ा में रह रहा था। वह कहां जा रहा था, इस संदर्भ में कुछ पता नहीं चल सका है। सरसौद फंटे पर सड़क किनारे वह लहुलूहान अवस्था में मिला, समीप बाईक क्षतिग्रस्त मिली, जिसे माननखेड़ा टोल की एम्बुलेसं से मंदसौर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

कलेक्टर ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने भगवान पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान में उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि काम उच्च गुणवत्ता के साथ करें श्र निर्माण कार्य में और तीव्रता लाए। तीव्र गति से कार्य करें। निर्माण कार्य के दौरान सुंदर लाइट, आकर्षक रंग-रोगन का विशेष तौर पर ध्यान रखें। मूर्तियां के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष तौर पर ध्यान रखें। पानी की निकासी के लिए अच्छी योजना बनाएं। सम्पूर्ण परिसर बहुत अच्छे से बने, इसके लिए अन्य मंदिरों के प्लान का भी अवलोकन करें।

बालिका को टक्कर मारी, पिता को पीटा

पिपलियामंडी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। बालिका को टक्कर मारने के बाद पिता के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। प्रताप कॉलोनी निवासी रमेश पिता भवंरलाल पोरवाल ने पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि 8 जुलाई को रात्रि 9 बजे मेरी 10 वर्षीय पुत्री रिद्धी के साथ पैदल जा रहे थे, इस दौरान बाइक एमपी 43 एमबी 9173 पर चार युवक सवार होकर आए, जिन्होंने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर मेरी बेटी को टक्कर मार दी, मैंने बाइक तेज चलाने से मना किया तो चारों ने मारपीट की। पुलिस ने बाइक चालक आवेश पिता अख्तर हुसेन के खिलाफ केस दर्ज किया।

शासकीय हाई स्कूल ढिकोला में विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने मिलकर किया पौधारोपण

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। एकीकृत शाला शासकीय हाई स्कूल ढिकोला में विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने मिलकर परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के दौरान छात्रों ने पौधे को नियमित पानी देने एवं चलाने का लिया संकल्प।

विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक कुमार रत्नावत ने बताया कि विद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान के अंतर्गत नीम, नीबू, जामफल के पौधे लगाए गए। इस अभियान में कक्षा आठवीं, नौवीं तथा दसवीं के सभी विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जिससे कि वह भी अपने आसपास पौधे लगा सके तथा पर्यावरण को सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सके। साथ ही जब भी इस विद्यालय में किसी शिक्षक का जन्मदिन आता है तब विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया जाता है। पेड़ पृथ्वी पर जीवन को कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन का भंडारण करते हैं और सभी जीवों के कल्याण में योगदान करते हैं। पेड़ों का महत्व सिर्फ प्रकृति का हिस्सा होने से कहीं अधिक है, वे ग्रीनहाउस गैसों को कम करके जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्रिय रूप से मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, पेड़ हमारी त्वचा और आंखों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हुए हानिकारक यूवी किरणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करके हवा को शुद्ध करने और पृथ्वी पर स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके अत्यधिक महत्व को देखते हुए, यह आवश्यक है कि हम मौजूदा पेड़ों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं और अधिक पौधे लगाएं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला : तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से मांग सकती हैं गुजारा भत्ता

नई दिल्ली, 10 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला लेते हुए कहा है कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के लिए अपने पति के खिलाफ याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन गॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। वो इससे संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, फिर चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। मुस्लिम महिलाएं भी इस प्रावधान का सहारा ले सकती हैं। कोर्ट ने एक बार फिर कहा है कि मुस्लिम महिला अपने पति के खिलाफ धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण के लिए याचिका दायर कर सकती है। हालांकि, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अलग-अलग फैसला सुनाया, लेकिन दोनों की राय समान है। कई मामलों में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता है या मिलता है तो भी इद्दत की अवधि तक। इद्दत एक इस्लामिक परंपरा है। इसके अनुसार, अगर किसी महिला को उसका पति तलाक दे देता है या उसकी मौत हो जाती है तो महिला इद्दत की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। इद्दत की अवधि करीब 3 महीने तक रहती है। ये अवधि पूरा होने के बाद तलाकशुदा मुस्लिम महिला दूसरी शादी कर सकती है। अब्दुल समद नाम के एक मुस्लिम शख्स ने पत्नी को गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में शख्स ने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। महिला को मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा। ऐसे में कोर्ट के सामने सवाल था कि इस केस में मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 को प्राथमिकता मिलनी चाहिए या सीआरपीसी की धारा 125 को। सीआरपीसी की धारा 125 में पत्नी, संतान और माता-पिता के भरण-पोषण को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई है। इस धारा के अनुसार पति, पिता या बच्चों पर आश्रित पत्नी, मां-बाप या बच्चे गुजारे-भत्ते का दावा केवल तभी कर सकते हैं, जब उनके पास आजीविका का कोई और साधन उपलब्ध नहीं हो।

मप्र सरकार खरीदेगी 234 करोड़ रुपए का नया विमान

इंदौर में 14 जुलाई को अमित शाह करेंगे पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ

भोपाल, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश की विधानसभा में सभी काम ऑनलाइन होंगे। सदस्यों को सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्न भी ऑनलाइन स्क्रीन पर नजर आएंगे। सभी सदस्यों के टेबल पर स्क्रीन लगेगी। इसके लिए ई-विधान परियोजना लागू की जाएगी। बुधवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्रालय, विधानसभा सचिवालय और संसदीय कार्य विभाग के बीच पहले ही अनुबंध हो चुका है। यह परियोजना 23 करोड़ की होगी। कैबिनेट बैठक में इसके साथ-साथ कुछ अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र खत्म होने के बाद मोहन सरकार की यह पहली कैबिनेट बैठक थी।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर–✻ आदिवासी क्षेत्रों में 9000 करोड़ की सात सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। ✻ राज्य सरकार 234 करोड़ से नया विमान खरीदेगी। कैबिनेट ने आठ सीटर विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। ✻ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 जुलाई को इंदौर से 55 पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ करेंगे। ✻ इंदौर में 14 जुलाई को एक दिन में 11 लाख पौधे लगाने का रिकार्ड बनेगा।

मंत्री रामनिवास रावत पहली बार हुए शामिल–मंत्री बनने के बाद रामनिवास रावत पहली बार कैबिनेट बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अन्य कैबिनेट सहयोगियों से मंत्री रामनिवास रावत का परिचय कराया।

बायपास हाईवे पर दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर

मंदसौर, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। शहर के बायपास हाईवे पर गिरनार वाटर पार्क के समीप सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार नरेन्द्रसिंह पिता केशरसिंह राजपूत 49 वर्ष गांव नंदावता का रहने वाला है, वह हाईवे पर बाईक सहित दुर्घटनाग्रस्त मिला। जिसे 108 जीप ने बड़े अस्पताल में भर्ती कराया, यहां से हालत गंभीर होने पर रैफर कर दिया गया है।

बाइक चोरी, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 10 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार चावली निवी जितेन्द्र पडियार ने पिपलिया चोकी पुलिस ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई कि गत् दिनों वह पिपलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर अपनी बाइक से पत्नी को दिखाने आया था। बाइक को ब्रिज के नीचे लॉक कर खड़ा किया था, वापस आया तो बाइक नही थी। जितेन्द्र बाइक ले जाने वाले संदिग्ध व्यक्ति का नाम भी पुलिस को बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/1277/ई-टेण्डरिंग/2024 नारायणगढ़, दिनांक-10.07.2024

✻✻✻✻ द्वितीय निविदा सूचना ✻✻✻✻

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2024_UAD_356730_1 दि.10.07.2024	IInd Call Inviting rates of JCB per hour Tractor trolly per trip tractor trolly rate including hard moorum with JCB excavating and transportation per trip up to 5 km rates of large poclain machine per hour including concrete breaking and excavation for financial year 2024-25 at Narayangarh Town	12 माह 10,00,000/-	2000/- 10,000/-	18.07.2024 5.30 pm
2	2024_UAD_356792_1 दि.10.07.2024	IInd Call Inviting rates for construction material for departmental work for financial year 2024-25 at Narayangarh Town	12 माह 10,00,000/-	2000/- 10,000/-	18.07.2024 5.30 pm

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

ममताकुंवर जयराजसिंह, अध्यक्ष, नगर परिषद नारायणगढ़
वीरेन्द्र रुपरा, उपाध्यक्ष, नगर परिषद नारायणगढ़
किशनकुमार कुसुमाकर, सभापति लोक निर्माण विभाग, नगर परिषद नारायणगढ़
प्रमोद जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद नारायणगढ़

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in